





ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हस्तवृक्षानुरवधुगहवविभगिरुतानुराभनृगमंशामदिवकवादे
पठमिपविहवंगत्सकाकाहवसंसजासंबडवन्दानरुहसविनं
सागनंगावन्दवव्याहस्तारुजगपाभनवकुहगवकंपसन्नृयश्वन
सपिवाजासंसनवकविनरनयमिसामिनासंगियागामरु
तामाधियसपसादादिगठुमिजुतंरुमिनानिषपंचकवप
सवयंसमहयमिसुंरुकल्पनाभनसकंरुपामरुधिपसंसिन्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वसि विनमयं सल्लु नू सर्वकावे ॥ ॐ नमो श्री पद्म नृसिंहाय ॥
॥ ॐ नमो श्री चक्र सवनाय ॥ आ ॥ धर्म धारुजिन हृदया नन्दका
लिका ॥ का ॥ जगदा नाक वावन ॥ आ ॥ कमलासनरूपा भिव
र्धन धरा कलंकमल ॥ का ॥ सहजानन्दकालिका ॥ आ ॥ निखिले
जिन हृदयाः सादमुदवा ॥ का ॥ नमो नमो मरु कुमाला ॥ वाक आ ॥
॥ आगा ॥ गन्धालि ॥ विश्व सगन्ध विधू विंवा २ माका ववियाधि
कस संराव ॥ ॐ ॥ नमामि श्वागी श्वन सयनम निहृदया २ विना

विश्वसना नू २

महाभारत ॥ ७

सयिकूटांगममनाह्न सयनजिनहृदया ॥ पीरुनीवाचुक्षमि
नवयनशंपंचजिनमकूतमनिबयन ॥ धर्मवक्रमूद्रकूलिभस
नाभीश्चक्षुषावापयिष्युवखलन ॥ सुवासननमिगवयन
शूनयिपत्रमादिवज्जिनगुहालयन ॥ ॥ ॥ ॥
मध्यममूमहामधीकनंकनाजिनपूर्वदिदहनजं वृद्धिपं २ शूयन
रामजायनिउरुवकूतुवन पंचवर्ष पंचजिनव्यापिशात्र ॥ ॥ ॥
नमपचक्रवृद्धविश्वमिजिनविश्वहिरण्यरूपचक्रमूर्ति २ शूय

द्विषान्नारुगकिजिनमानसाहनलुहयमिमिनघनधानवृष
आकवेदनसयाउपदिपवाउपदिपनिजाडुधानेशखसननाउ
पदिपनउविदिगंरुवनवाउपदिभीखधुपनस॥ दिवदवन
शांवियनननूविनयावीयसफअरुगादबवूमिव्यानश्रुवननाउ
दिचीयसायवंचक्रामसिकूलनिधिनिशिंलावदयन्ति॥ गुनूच
नभक्तिवनसारुगकिपनिणवनामनकुसुमउदकपविमुंपनिपूजा
प्रहावपनिरोत्रथिसफपनिपूनिगाहवऊननीधिरक्तनत्वसउ
रुगे॥

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥

काममग्नसपक्वसाविपूजिता ॥ क ॥ उक्तदविवालिनायाविउवन
वीवाश्विनमयापकसमयाजूनन्द ॥ विलंबविबन्धविमहजानन्द
२कलंकमलासनहृदयानन्द ॥ पक्ववृक्षपक्वस्वधमनूडशदवा
सूनननपमूदिगहृदया ॥ ॥ ओं श्रीः कृष्णः स्वसाधनकनिर्ग २ उमन
घटस्थानिविलमानन्द ॥ ॥ प्रागप्यमंजलि ॥ अनिलमूननज
लआरुवमाअमनूमधुलवकलायाश्वजपंजलसूनजानसंपविरुनि
मनूमधुलवकलाया ॥ क ॥ उमनूजवयिथागुन्यकनूधश्रीलिंग

॥ हव्यवज्रयिया ॥ वज्रवाहि ॥ अलिङ्गमसम्बन्धलयिया ॥
 ॥ ॐ त्रिसंविद्विन्नश्चनसज्जहि ॥ गहि ॥ अष्टममाने ॥ अष्टनूहकः
 सर्वदेववज्रपाठमदवीमित्रं कियरुयनसंहाव ॥ ॥ त्रिदुवनतु
 मज्जकूवायनरुवाडा ॥ विरुवनतु मज्जकूविनाविना ॥ त्रिनिदुवनन
 वनामसंयसाविनरुलिङ्गलउयकाकाना ॥ ॥ अहिनिमसगगुन
 वाननतुवागनकूदिगनरावअरुवा ॥ अनममनत्तरुयवन्धन
 कूदिगनरुयमानूअकियसंहाव ॥ ॥ नागनाट ॥ नकवध

नमः ॥ ७

त्रिनि लायनसूद वि२ अष्टके दम उऊ प्रह्वनन किवन ॥ ५ ॥ उ
रुदवीवानूनि माहा माम कि देवी २ जगत्प्रमादिनमयनसूनाला
॥ आगमवदपूवानवर्षान २ यागधर्मदिआनू उपदेला ॥ ५
अवूयस्वननूपकहे दुक् २ स्यान्जागिनिमाभ हवूवउ हनूउ ॥
॥ सकृन्ववननसिनेंगकधनिया २ रुनयिनिवाकवजसूनासूनापि
॥ ॥ नाम ॥ हेनवा ॥ नमः ॥ अका नूननूपधनू २ स्वकृ विमलउ
ताधनू ॥ ५ ॥ कनाहूहू २ कनाकैहूहूहू ॥ ॥ दडाआ लिंगनजा

॥ ३ ॥

गवन् २ वज्रघट्टमूडाधनू ॥ ॥ धवलसूतं घनदहधनू २ भवदस
साहियचउमनू ॥ ॥ मायादहविनजंगु २ साहियकनूनसत्वम
हं ॥ ॥ नाम ॥ भू ॥ ज ॥ नमान ॥ ॥ छिवकनविभभि मधुलमाभ
स्मिन्निज्ञानन्दमूनगिवना २ वज्रवावाहि आलिंगशसम्यन नानाव
ग्निमहाकाला ॥ ॥ ॥ गनाहं ॥ ॥ नीलवर्णचउवकुपकिमख
छिनकपनमा आनन्दमूनगिवना २ विश्ववज्र अर्द्धवज्रगामक
टकाविहाउ आरुननस साहिना ॥ ॥ वज्रघट्टगजवर्मउमनू

श्री
लिंगवक्त्रा
नमः

स्वत्वांग विनमाज्ञानन्दमन्त्रनिवेनाश्कनिकपात्रपत्रशुषाभः
विशुद्धवक्त्रमिन्दवना व्याघ्रवर्मकलिर्वस्त्रिता ॥ दिगंविगका
कास्यादियमहाकिनिदवी सहजाज्ञानन्दमन्त्रनिवेनाश्कनमाभिः
शिवसंवेना सगुणवक्त्रनञ्जनाधिगा ॥ नापंचम ॥ क
लिंगवक्त्रनञ्जनाधिगा शिवसंवेना शिवसंवेना शिवसंवेना
यासाधिरुदनलिनापयिमयिजिनमगिदिहृन्मया ॥ क ॥ पत्रम
नन्दमन्त्रनिवेनाशिवसंवेना शिवसंवेना शिवसंवेना

किं धामं श्रवणम् ॥ ॥ कूलिभक्तमल संयोगसहजा पवनकनंगस
 लीनगालिश्च यमस्वगुरुजनत्वमकूटधनिष्ठसुसीमाननदहिन
 वामम् ॥ ॥ ॐ हूमधुलापनिवज्ज पथ्यककूकूमनूशननूप्रकलिः
 गाश्चकश्चकश्च सनदहिनकवधनि वामघातत्यनवापधनी ॥
 ॥ विविचनलाएवशविठुषिगरुलथिअनकमनूगिधविश्चकगु
 नूचनधकमलपसादा ननामिपनमनिवापदं ॥ ॥ जगम् ॥
 नवी ॥ निस्मानानिचउषहिदन्सवानूरुः मध्वगगकादिवृगयाना

७. दनूपी २ समिन् प्रलितललितार्द्धममिनि ननशीलसूतापमजाल
नूपी ॥ क ॥ ॐ नमामि देवी श्रीवज्रविनातिनिशीरुवरुनकः खसम
हन देवी २ अठियानपूर्धमिविकामनूपथी हनसूविमुधमधुलन
खयनि ॥ ॥ वसूदनसमानूरुवलधमचकः धाठमदलसंलग्न
क २ द्वाष्टिसगदनकमलमहासूखचकं हेकाननूपथी हनूकनाथं ॥
॥ हगिजिनविद्यादिप्रियानरुदनिप्रवयिमृगधनयनादनूपि
२ पिठादिदमठुमिगतसूगतपूजनीजिनहनदायनिविनधनि ॥

॥ दर्पणप्रतिविम्बजलज्वंटापमञ्जुहिनेसिद्धमनकवज्ज
 वीरजन्मजन्ममात्रुंरुपायभवनः॥ इर्गतिनासनमात्रप्रदगा॥
 ॥ याग॥ कर्धदि॥ खटयागिनीदेवी प्रियवन्वापिनिश्चिन्मा
 लक्ष्मदर्पणविनासिनि॥ कु॥ नमामिश्चदेवी श्रीवज्रवावाहीश्चि
 सिद्धिदायनिजगज्जननी॥ ॥ पूर्वदन्तगगनकवर्धकिश्चिन्मा
 यामिनिदेवीनीनवदनी॥ ॥ वायुव्यनाहिनिदेवी श्रीगवर्धराश्च
 श्रिमसंज्ञासिनिदेवीरगोन्नवर्धरा॥ ॥ नमस्तस्यसंज्ञासिनिदेवी हनी

मवधोरा २ दहिनचष्टिका दवी क्रमवर्धनी ॥ ॥ चतुर्भुजकानना

पचक्रमडाएन ॥ २ स्वस्वविजसं एवनवनसदीगंमना ॥ ॥ नाना ॥

रुजवि ॥ ॐ श्री हं हं हं अनंतन स्वाहा ॥ मन्त्र उच्चारननली २ पूजा पूजिक पू

जगूरादसत्यस्वनूपविशवन ॥ ॥ क ॥ खखरवाहिखाहिवलिपूजान

घघघातय २ विघ्नहन २ घचमियनसपचसावित्रपचहनसर्वनिना

॥ सर्वजजनाजसहगपतनपि ॥ वाक्मादापसानन २ जकजकि

नि हं हं श्री हं ससानं दं वलिगं कं तुन ॥ ॥ दानपति सर्वकार्यत्व

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ १२

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

या सर्वसुखसंप्रतिः ॥ नो न २ यत्वेवमत्येदु ऊं तु पिवथ जिघ्रथ साः
निकर्मथन ॥ समं चान ऊं तु साना प्रगिन सर्वसिद्धि संपदः ॥ नि
न २ ग्राहं साननथा गगवदन सचं सिद्धि संपद वृद्धिः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ मूनु रुवमथ मावका वसं राव वल्लनूप विंगिग विदि
कलमं २ ऊं नमः ॥ कानवजामुगमद वं सफ संसा धिग रुना मन्मयं
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ लद वं सर्व जिग व्यापिग सुह ऊं क
लमं २ ऊं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ रुव संसा नना सन विन ऊं नमो

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ २ ॥ उक्तं वाचनं कुरुयात् ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

434166

三

दिं धाम लाम दुल मम्म लन ऊवः काहि

अभिहितं

अथयिआगीजिदहकवानि२कमलकूलिसयष्टकमरुनजिवयि

शर्मानि दुःखं विनूय नैनं जिवन्मृता नाम्ना वृद्धि यान्कम

अपहृष्टागिनी नृप नमाय २ माने नृप नवहिया नृप

दिया लहना न मारु रघुनाथन कृदियता न २ न हस्य द्रविपकुल

महाह. ॥ अथ श्रीगणेशोपनिषद् ॥

सनउवीआ

प्रतिनिदितामज्ञानं

॥ जीवदनश्च ददात्तननवडुवनहडुवनन ॥ क ॥ नावचनमा
मिथीसम्बन्धविद्याश्च कथागिनीलामिनवसहजगुणना ॥ ॥
वज्रवासास्त्रिंलिंगनक ॥ १६२ ॥ विमर्शान्वितलसमनसंगवदि
॥ ॥ समदहनविम्वमासमरुजकंश्चनूदलूनलायनविखन
॥ ॥ ॥ दामभुजधविवालिचउवदनश्चनीलसहविगगनहडुलि
ना ॥ ॥ नाग ॥ यद्विदनिनिहिगवामजानूखकपिबनमा
लसस्रसाश्चगधवलाहवन्निनया ॥ ॥ विडुवनवायाशूक्लवि

ना॥ ॐ ॥ नमामि श्रीवद्भुमहाबायता॥ आनमृत्पूरयच्छुदिता॥ २ वि
श्वनाथविश्वनाथपिताविनं विक्रमहाकाधवाया॥ ॥ शुभिरुखना
गाउर्ध्वप्रवत्तुदंष्ट्राकनायविद्युत्किन्नना॥ २ पीजीनप्रवत्तुकाकेल
नयनावोनि संशसात्वारव क्रसनना॥ ॥ माधवमायापूर्वद्वनव
भूडपिभास्वपादवरुनना॥ २ समन्वसमायानागविमाहाहनलायावन
समाहिरुदहा॥ ॥ यत्नरुन॥ १५५ कालिमागालि कयूननोपूननूह
जूनकागा॥ २॥ ननननागाविन्दितवन॥ १५५ यत्नरुन॥ १५५ यत्नरुन॥ १५५

मूवनिनिहिमजानूनीलसमदहा२कक
लखिनयनीलीषमयनवदना
जाममूलकाधदाया
मखमधविचिरुवननाथ
नविघ्नदुमिमकुरयहनभा
२जगमविवादिमवनरुलदायकं
लिहनुअघनशी२सयलसूनासूनजगमउछानी

मूवनिनिहिमजानूनीलसमदहा२कक
लखिनयनीलीषमयनवदना
जाममूलकाधदाया
मखमधविचिरुवननाथ
नविघ्नदुमिमकुरयहनभा
२जगमविवादिमवनरुलदायकं
लिहनुअघनशी२सयलसूनासूनजगमउछानी

लि

लि॥ १६

मू० ॥ १२०

गिषा दूक मलमहिम धुलना पूवन धंभनं काना २ रुठम मान आरुव
धंविहृषिकमखलघल उलोना विनिविनिविधायं विनिनयना ॥
कनमिष त्यानायी वनूडनलमिलमाला २ कूंषिखं गवदनमकूग
क० ॥ ॥ गिनससिंधून कऊनरू ला २ कमु विद्वानपूनगो वालारख
साव ॥ ॥ रुनयितून कवऊ वा कृ निशरा २ श्रीवऊ देवी प्रसाद श्री हनुववा
या ॥ ॥ न० ॥ वासां ॥ अलसिकूम मूहिदह प्रसादना २ विविधिनः
त्वमसिमकूम विहृषिक ॥ ॥ अ० ॥ नवविधं ॥ ॥ वलविना २ ननादउभू

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

नन्दविनायकसिञ्चला । धामउरुवनिम्बुमृदादरुना २ प्रहृष्टासि
गममृद्वयमहासूतं । विनागन्धमुनिरुतुरयंकना २ गमनिहमख
मृगकुं निपाता । मालवउचदप्यनिषिलविघ्नना २ नविमसिचुग
लस्यगमशविनामयि । ॥ ॥ हं फावसंजागूँ उनील
सममृदिदहा २ प्राकालकलनसममृमिकालाकलनसमाकृता ॥ ॥ ॐ
यं उरुवलमूनगममृमिरुवकृपाभकवधावि । उगमनोपथउगमनपालिम
महाकाधलाया । ॥ मृदनिनिहिनवानजानू धानवदनदिनिलाचनार

[illegible]

不刊之論

ॐ ॥ सब कनक वज्र वाम घट २० नवका लिङ्ग बिंदु पदं ॥ ॥

अथ अ० द्विरुजसन्वलित्त्वनवापिसा २ सदिमिद्विमहामाड
सिद्धिः ॥

॥ साधे ॥ ॥ योगादेशना ॥ अकलितरुं कल्पवृक्षमूनिं
नीलसगयूमिदहाश्विभविजस्त्रिष्टिकनभं नखमकुटकाद्यैः

धिपं॥ ५॥ नमामि शिवाय नृविन्द रुद्राक्षि सिंघुगकाननं २ विश्वनाथ

द्विहवन व्यापिमाः ददा निधंशन कनेक्षं॥

रूपनवीनः सव्यलघुस्वकृदक्षेपः श्वामतर्जनितुदिधामधना रूपाभिः

卷之四

शसनवन्धनकवधं ॥ नानावस्त्राहारनोपनयनं ॥ मखलरुखिन्द
 हा २ इष्टकदानशीघ्रमधदनादिरुवनलायापनः शुवीना ॥ वीना
 विषगिसर्वहयहननं प्रगपि ॥ वादिमंगनमनरा २ सूनननयजादि
 वंदिमपादं सर्वसिद्धिमाश्रुलदं ॥ ॥ नानावस्त्राहार ॥ विजसं
 वरवसमदहनवन्धनकायिसनलजधधवा २ द्वादश ॥ अजवदवदना
 अरुवसुवनकनया ॥ ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥
 ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥ ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥ ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥ ॥ नमामि श्रीविष्णुं ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥

卷之五

ध्या ॥ त्वज्जटाटकहाथनवीयाक ॥ २६ ॥ क्रियाउखमो ॥ ग २ ॥
 पूरयागिनीकमलविहभं ॥ गलमहा ॥ २७ ॥ ज ॥ विप्रमादा ॥ २८ ॥
 ऊदावाहिआ ॥ लिंगधरावननाचयिव ॥ २९ ॥ विहलहं ॥ ३० ॥ वाकुलि
 कालिनया ॥ ३१ ॥ दिमिहं ॥ ३२ ॥ मूय ॥ ३३ ॥ उवर ॥ ३४ ॥ नलपसा ॥ ३५ ॥
 वृदि ॥ ३६ ॥ यागम ॥ ३७ ॥ दि ॥ ३८ ॥ धा ॥ ३९ ॥ यी ॥ ४० ॥ नू ॥ ४१ ॥ व ॥ ४२ ॥ न ॥ ४३ ॥
 शकीद ॥ ४४ ॥ नि ॥ ४५ ॥ हं ॥ ४६ ॥ न ॥ ४७ ॥ वि ॥ ४८ ॥ न ॥ ४९ ॥ न ॥ ५० ॥
 वा ॥ ५१ ॥ म ॥ ५२ ॥ न ॥ ५३ ॥ व ॥ ५४ ॥ न ॥ ५५ ॥ व ॥ ५६ ॥ न ॥ ५७ ॥ क ॥ ५८ ॥ न ॥ ५९ ॥
 मि ॥ ६० ॥ २ ॥ पा ॥ ६१ ॥ य ॥ ६२ ॥ न ॥ ६३ ॥ न ॥ ६४ ॥ न ॥ ६५ ॥ न ॥ ६६ ॥ न ॥ ६७ ॥
 ड ॥ ६८ ॥ मा ॥ ६९ ॥ ल ॥ ७० ॥ रं ॥ ७१ ॥

श्रीमद्वेदाङ्ग
 २३

विनिवृत्तजननी॥२८॥

गो॥ ॐ ॥ दधीनाद्ययि च कर्माणि वज्रमग्निनी २ विनिनदवी ३ सु
वनपयि ॥ ॥ कालमस्य इदं विपा ॥ नयन्विने २ नामद्वयमाह क
लिद्विदिता ॥ ॥ सुलसुभा दधीनि वंजनदस २ सुन्यपा ३ दवी ॥ सु
साहाव ॥ ॥ अष्टि संहावदवी कनूरा कदवी २ भाऊ माग्नदवी ॥
दीमजननी ॥ ॥ बाग ॥ वसंत ॥ ॥ अत्र वलजननी प्रसास्वनमन्य
२ विवासाये समवसददा आलिंग ॥ ॥ ॐ ॥ निवंसरुसुनाय श्री
घानहसंपूज्य २ ग ॥ ॐ आलिंगनं नन्दनयना ॥ ॥ वापसंहाग ॥ य

न विद्यमानयन २ बाग विवाग इ ॥ ॐ मा अनिरवर्ता ॥ ॥ ॐ ॥ अकुरु लिसं

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

नविद्यमयनश्वागविवागहूमाभनिरवर्नाः ॥ अङ्कुरलिरमं
आगशिसखनाश्चजननप्रसूखनद्वदाम्बुलिंगः ॥ ॥ इति युव
नधीआगांवनाश्चप्रभमागिरुमयस्वविश्रुलिंगः ॥ ॥
॥ उदितागवयिवापवनहूमाभश्चलसूहदामकसासन ॥ ॥
॥ अत्रहूमाभरुवाधिसंवल्लिताश्चसूखयनिनंजनमाङ्कलं ॥ ॥
॥ नकनसंशुलमध्वगताश्चानूधममगवसभववायं ॥ ॥
॥ आलिंगनरुयप्रतिनिहंताश्चदवाहूननवसिल्यंमिमा ॥ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥

निपवनपयिगुनरुक्ताश्वजवावाहि दुंशसिलनमिता ॥
नामाविशास ॥ दि उज्जयका मुखनकवदन्ता ॥ नग्नमकूटकमवि
निलावना ॥ ॐ ॥ नमो देवीवूधजाविनीविश्वजनेनी ॥ दि उ
वनव्यापिमजिनरुनदायनि ॥ ॥ दहिनकनवजवेनामिनी ॥
दग्धमिश्रमकवाटक ॥ उमानपिवयि ॥ ॥ कननिसधुल
माभ्याउठि यानगमन ॥ नलपूनवचन ॥ गगंयवमिता ॥ ॥ श्री
विद्याधनिदुर्वा ॥ रुननमहिगा ॥ सकलमधि सिद्धिदहि गमागा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २८ ॥

अथ
॥३॥

॥ **सकल** जगत्तु सर्वं वनवीणा ॥ २ ॥ अनूपमकन
सकनटिसखविला ॥ **क** ॥ सम्बन्धकनूमयी कायं ॥ विविधिविद
त्यविनासननूटा ॥ **द** ॥ दवीवावाहि दुक्त सधित दहा ॥ रुवरुयह
वनविभा नविशया सकनविघ्न हतिमतिपतिनूटा ॥ २ ॥ विप
नित्त्वर्गनिवासननूटा ॥ **ग** ॥ गवाणवकृता हतिमतिवृक्षा ॥ अनूप
मसखनसमग्नसखविला ॥ **॥ नागनाट ॥** कवननूपलाकवन
कानननूपवृक्ष ॥ **॥ नावविशू** कवननूपलाकवन

वधूवकानकमानेशखद्योगुठमवृथीवनवगिलमात्ता ॥ ॥ ॥
 कुलस्यनिबंजनश्रुकुलविहनाश्रुनूलनधनसयानविमुद्धा ॥
 ॥ ॥ वीनहउवजकहवीनवीचाश्रुवधूवकानगगिरसह
 अनयडा ॥ ॥ हलहलहलहमउमवसखहृडाश्रिनिउ
 वननाथप्रकृसम्बनयाया ॥ ॥ वागा ॥ मावथी ॥ वऊथागि
 नीहनुआनायाश्रिउवननाथदहिमप्रान ॥ ॥ ॥ पिवळू

महानसमहसूरवज्रविद्याश्चक्रद्वयीरुल्लङ्घनं नूतनं नूतनं ॥

॥ उद्यमानिष्टिदलकमलसंयारगश्चहीवीनासयिषवनतं रु
विद्या ॥ ॥ उंजं लपचमहसूरवज्रविद्याश्चक्रभीलसवि

जवानूक्ष ॥ ॥ समुत्तुनूयशादचउत्तुलोषकं रपाक्षस्वयीसंज्ञान

समज्ञा ॥ ॥ नूतनं नूतनं ॥ जयंश्चक्रविशयनरुल्लङ्घनी

नूतन्यश्चयसंज्ञानदी ॥ ॥ नूतनं नूतनं नूतनं नूतनं नूतनं नूतनं

निजं कुव॥ २३

वयिमाननिनवां नूय॥

ननी नूयवज्जयागिनी॥

नमिकपादखड्गयधनि॥

नूडननसिलमाता॥

मिअवयवाट्टलि॥

वहनूतवायाशुओरुगमनयागिनीपयिस॥

॥ जिमपनयानदरुपूनकं २ जिनज

॥ जयं २ हा ऊज्जारुवसस ॥ ३ ॥ हा २ क

॥ जयं २ नोडममाने स्त्री नश्यीय

॥ जयं २ नाखरुं जगमसंसा नश्यधमा

॥ नम ॥ मावव ॥ निजं कुवनअवध

॥ ॥ अनन्दा

दिदवाहु निभूनन्नादिदवाश्पनिनावयिह नूवमनसासंपूर्णः॥

॥ पूरुभिगहि एव नूनिग फूल ह नूव २ सवलिभूनकापिवयि

संतापः॥ ॥ श्री आठियान कालयिवडा २ गीत भूनकावि उं गिवा

ऊर्किः॥ ॥ जूलिकालिद्रियपादधवंक श्रुती उं गियमल कूलि

सवाउर्कः॥ ॥ पयिसयिआमिनिगूदयसंयासा २ वउथागिनी

मंगलगीतः॥ ॥ घाली घात्री योत्री वगात्री २ लपनवउसम

हनूववालाः॥ ॥ वडि घाजिवतानिवधु विद

[illegible]

सर्वोक्तम् ॥ २५

ॐ नपापविना नू पूर्णविना. छिस्वन नू स्वन्नापेनी २ सर्वविकल्प
विधं भनिदविभून् रू व न वलदायनि ॥ भूमिमाग्ममधुलउ
दयात्र किपिक लननमि वन्धूयधमी २ कनो. न कपालरव वंगवविशु
हहनवलदायनि. विगंव नन कूट कस्तिवधि. कू धुल कस्तिवधि
२ यावक मरवल पायल वानिगी चनू डन वसि लमात्ता. ॥ राग
धरास ऊन निहरी. विनहि सन वदल ता २ धीव यागिनी चन धमिभंग
न माव कि सन वराव आ. ॥ १२॥ छिद लकन वदधे

सूक्तस्य नमः (गमयूक्तवत्सूक्तं श्रीविष्णुपाञ्चरात्रं स्वर्गमूर्खद्वी. म
दनपालयद्यापिमा॥ ॐ ॥ नमामिनेकासावित्रुवनमागावकुला
द्वी. श्रीमृगधालि२ सयलसूनासूचवन्दिगन्धव॥ ॐ नमः अक्षिसिद्धि
लपसादा॥ ॥ नन्दनदनामिवचन्दनमन्त्रव ॐ नमः कूसमयाचिजा
मवन२ निरुपगंमसमवागमनिमीन ॐ नमः किर्थसूक्तवन् ॥ ॐ
सूक्तवत्सूक्तयागिनिद्वी ॐ नमः दवासूक्त ॐ पाल२ ॐ महारय
निगनिवत्सूक्त ॐ नमः विघ्ननिवत्सूक्त॥ ॥ विश्वविद्यापिनमानूनि

मधुविषय ॥ २७

दृष्टीः शूरवयनिनंऊनका भिमय २ शूरिमन्कसूरवह लशायनिदवीऊ
नऊनमंउंशपायः निश ॥ ॥ नाग ॥ विश्वना ॥ मधुविषयपूला
इयिनीकूयाला २ सकलदवगदावंदितापादं ॥ ॥ मेदिशूरदिवूय
ओमंशकूयाला २ लंशूरिवदितापमनखम्बदा ॥ ॥ कूकूमनूचिनास
वचिनविषमा २ मुन्यागकिनकनूहाविहादा ॥ ॥ विश्वयविश्वम
कूपाचंगमनसा २ विश्वविषापिगंभीयंगुनूखयंडु ॥ ॥ तनउ
नूपनमाविनु शूरदाय २ गावन्दितावशीकप्रदावकूलिः ॥

नू॥ ॐ ॥ हवजउकगनाहं २ गनाहं नना नतहं हं हं ॥ ॥ हवन
 ननवंदिनवनमवनूरकूमविलपनइहधनू॥ ॥ हवविमक
 विरामघगुनकूतायि २ नमाहं नमाहं श्रीहवजउकगुधप्रययि॥
 ॥ यजमानकवि॥ जिनवननयनिउवन श्रीकापातकनिर्वोस
 मेजिनवनमूनिना २ नपालमधुलमा ३ ॥ मिहमकिनरधजगनन
 थजूरयदाता॥ ॐ ॥ डिजगतिगन्धियात्रजुवमानया नप्रक्षमामि
 वृगमल्लावकधनदव २ सिद्धायागिवधूदरूपनिकमासाया एव

3. 11. 1911

[illegible]

कलकंभा ॥ ॐ ॥ जगन्मूलकं पद्मपाशुपतदेवी ॥ इह मातृविघ्नना
 शनीदेवी ॥ ॥ नक्तनयनकिं निनूडनाला ॥ खड्गकवटिकपालः
 निलात्यल ॥ ॥ बाधवर्मावगुणालिहा ॥ खर्वलम्बादनशर्वा
 कान्ता ॥ ॥ चवधमनसशी ॥ अश्वत्थामागमा ॥ रुनयिजुमाधव
 ऊचविगा ॥ ॥ वाता ॥ गंधर्वा ॥ विदुवनजालीगमनूक्ति
 नूलायनविनयवर्ति ॥ ॐ ॥ नादयिवजसस्वपनमन्त्रनर्तन
 वार्ति ॥ ॥ अस्मिन्सहस्रकिं नदनदगस्यसहस्रवर्ति ॥ ॥ बहू

नमो भगवते ॥ ३३

विह्वलपुत्रविभ्रमिज्जुननाथनसुखदमि॥

॥ गीता ॥ गीता ॥

॥ यमदिगदिदससमिसंदविमनमन्मधुनसंस्त्रिफलयना

२ द्वादशयुज्जुवउवदनसु॥ अहिनावज्जवात्राहिके ॥ १४ ॥ गुलिंग

ना॥ ॥ हूँ हूँ हूँ दहदिहसुवननमालसयलसंवाधियान्न २ वंद

गुलिंगनअधयसंरावनावधिदानथीसम्बववाया॥ ॥ कुलि

सुघं १४ गजवर्मा विभूनाफनगिदमन्मधुनसु॥ अहिना २ मर्जपूलि

नकापालखलो ॥ गीता ॥ गीता ॥ ॥ पञ्चजिन

सत्यनिर्देशन॥ ४०

वनमकूटशूलैकृताखदमडाआखवनविहखिता२शूलिकाः
लिहूँशूलिंधवापयिवाधुवर्मनिर्वासनकृष्टमन॥ ॥न
नसियमालालवशीसम्बनदिव्यचक्रिनिफनूनहियाव२अन्म
ऊन्ममानूडंशपायसनक्षामवन्किपनमादिवजगीता॥ ॥
नाग॥सलिनि॥सून्यनिनंऊनपनमप्रडःसून्यमायासंखउ२र
वहचियसंखवडाःनानासिऊयीऊम्बु॥ ॥नउखवनउनिर्जन
गहिचहंखामहासहवज२आखव००मनखव००सापनसहयि

अथ यथा नमो भगवते ॥ ४५ ॥

कार्त्तिके ॥ ॥ अथ नमो भगवते विदुषाः नारायणं विदुषां विदुषां ॥
हृत्पापनमो हृत्पापनाहं दिनचिरं ॥ ॥ जिमपदविन्दुसंराव
जाः मिमिरावचिमनरावे २२ न्यनिनं जनपनमपुत्रु नानं ॥ ॥ पु
श्चनपाडा ॥ ॥ जिमजलमाश्च वदसहि नारायणं नमिदुःखि
मिसामभुलवकाज मनयसंरावकासवुयि ॥ ॥ अथ ॥ नि
वद ॥ अथ यनिलं जनपुत्रय पुनूपनमगगधवमलजसाधना २
भूयनादिवासिमलायविशदवीषाहाविन्दुसमजादिमा ॥ ॥ ॥

नमामि निलालम् नीलकनखरावहं उरुलनसंप्रापिता २ सह
जवऽसमरुजप्रकासिगजलजवऽसमव्यापिता ॥ ॥ खड्ग
गान्धर्वसावित्रवक्रवर्हिभनूमधुलएवविना २ निर्मलहृदया
वक्रवक्रजयिषंफूहिनीसिक्कवनजकमयसाधना ॥ ॥ गूनन्द
पद्मानन्दविनसाहजाचतुनानन्दमयसंरुवा २ पद्मसावित्रमा
भानकदिनमहासूखसूगमसंपदवलप्रापिता ॥ ॥ हवजका
लवक्रगीचक्रसम्बन्धूननकातिसिहापानंगमा २ श्रीहृत्तडादि

यानपुष्पेगीविष्णुधनपुत्रमहासूरवमाने॥ ॥ नमो॥
 ॥ गङ्गाजि नउधनरुखधधविद्याकमलकुविसम्पदवानि २३
 मन्त्रकनमिद्रुथलकिभूलवागरवद्योगकपालेभूधना॥ ॥ श्री
 सम्वनवायावाकुलिउक्तुगुविष्णुमानयिनवापयियानवमाया
 सासूरवदुमूडासिद्धिना॥ ॥ पादवक्तुमूडवाममहास्थधवि
 याउननसिलमालाशनीलहविहलाहिकनकारवचउमूरवज्र
 हिविकनलमूदना॥ ॥ नूविहपयारुनववापयियानकालि

श्रीहवर्जनवाला ६८

दक्षिणवदुदुवनविद्यमानविद्यस्वस्तिद्यान २३ किनीदिधिनीः
वउसिकंवाजनिधानवतानसंजासवदनि ॥ १ ॥ **सिंधिनि**
नीजसूकउलाकिनाखदाकेयेनमृजंरुहाहका २ वजडा किनी
नवतानमजकिनीचमुलजकिनीचडुनदकी ॥ २ ॥ **जिन**
वीजकीनीकुंरुपायधनशापकेमृडाहन्तविहयिता २ वज
मकदजयधुखछांगपाठपनमधनसुनदकी ॥ ३ ॥
की श्रीहवर्जनवाला देवीदिडुवनना २ पंचजिनयापि

पञ्चकपाय ॥ ७६

न पञ्चदशे दहा ॥ **कु** नन्नामि २ लापू २ यवेखा २ हनुक थी गु
कश्च निवज्जुआ गिनिभून्पता ॥ **कु** छदिगं कि ता ह नवनिमव
२ दहिनापायका निवामवीन्दुपंथा ॥ **च** स्मनि चोवि था मिः
नीदवी २ गता नी निमावज्जु ह का न संवजा ॥ **भ** म्मः
पंचकपायका निन मो लिपय २ न पय २ सूजा रुजं २ न नो ॥
माला वि अ ॥ रा बा भू दम क लि पु य शव द ॥ **क** ॥ ह ॥ ह ॥
का ज सं जा न व द ना २ प च न म्मा द न नी न स म द ॥ का रु वि प ची

महाकानाशयकममनसदध्यमरुचिवाहायनवद्रुकपालध
ना॥ **॥**मकमपमात्रातिनिनयनाधानरयंकनराधमवदनाश
उद्यपकलिमापिंगलकमउनमनरुहाकेनूमामय॥ **॥**क
नतिकयात्रामनिनखद्योगमनागवल्यनागकुमुलहानाशनाग
सिन्नसिद्धानाभूवनागमभूवनागमभूवनागमभूवनागम॥ **॥**जिनवन
मोनिधानिनमद्यावृद्धमसनसानउकवांनशयुतावृद्धानानव
वांमभूवनागमभूवनागमभूवनागमभूवनागम॥ **॥**जामा॥ **॥**धना॥ **॥**गज

गङ्गा मूर्त्तये ॥ ३० ॥

मूर्त्तयि नयनि गांठवपदवन्ननिह्यविपणि गारुध्वना २ मक्षि मू
क्ता नला रुचक्षतनुधी किन्नन संकासिगा ॥ ध्रु ॥ मानिया वि
प्रमानिया दर्पमानिया इः खदिनासनं २ मानिया मानामाल
संक्रासामद्रूपम इः खनासिगा ॥ ॥ वनसूयाना कू भविज
खद्रुहिद्युतपावदहिनक वा २ मू गलधनु खदागखप्यन
कवगिक वास ॥ ॥ विचिग्वक कचू कलि विभाज गारु क म
क्षिमद्युता २ वन्नादलनलधु गलन्नाद नशा लापायल सिनि

विशेषः॥

मिथीवाञ्जकं गत्वा न च दृग्गन्तं कालिनाम्बुखिकमुखः
श्रुतिस्तु दत्ता २ दिनादत्वा नमस्तु स्वदाता नमामु नमस्तु गताधिपति
॥ ॥ ॥ ॥ ॥ विखयविखयविनृपवनसंयागायालयिच
आयन्ती नारिकमल २ दहयिजिनविभूभगिअलयिसूनगवजः
जिनिश्रुतासमयभामसयलं ॥ ५ ॥ नमस्तु शयावेकालचप
हवजसम्बलविभूनृपं २ पयिपश्मसंयागासंरुवनीनासहजाः
आनन्दमयहननृपं ॥ ॥ वज्रपयोक्तसमस्तकृमनूनगनून

मसगीमिश्रुकायधानं२जगमः३खनासनवाधिरुलदायकं४का
गधर्ममानूवाहियं॥ ॥ गुनूवाय॥ दृष्टनीयासूक्ष्मपवन
कूचयमसिमकूटवन्त्राउगादयनिया२चउचकपाठमनिनप
नमभजसूर्यरुममानूवाजाहखनं॥ ॥ स्वप्रमायासदसं
एवपनिरावनावूक्षधर्मसंघसननागमिय२गुनूचनशंसिल्यं
धनियामावक्तिसनकवज्जन्मजन्ममानूवूक्षमनशं॥ ॥
गुरुसम्बन्ध१००६मि. आवशकस्त्र१वूक्षवानसुलिषीमाथाहिः

मितालकायवाहालसविश्वकर्मवञ्जवाञ्जनत्वंकमानन्दनःन
आद्यलतालसर्वपनालिःमहानगनःसांगिधर्ममहाथानःन
त्रमद्युलमाहाविहानःवशिष्टमाव्यक्तिःचकविनयाधामन
वाञ्छुश्याआथआगकात्रसर्ववासरुदयकाशालिगुरुमगल
रुदमु

2874

ॐ

मधुमेरु — ३

मिश्रदंष्ट्र — २

अभिष्ट — ३

नकावस्थ — ४

नमोदु — ५

निचक्र — ६

॥

गोत्राभिष्टरु

गोत्राभिष्टरु

गोत्राभिष्टरु

गोत्राभिष्टरु

गोत्राभिष्टरु

गोत्राभिष्टरु

गोत्राभिष्टरु

